भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2400
08 अगस्त, 2025 को जवाब दिया

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपड़ा बाजार में जैविक वस्त्रों और प्राकृतिक रुप से रंगीन परिधानों को बढ़ावा देना

2400. श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कपड़ा बाजार की तीव्र वृद्धि को देखते हुए, जैविक वस्त्रों और प्राकृतिक रूप से रंगीन परिधानों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर क्या सहयोगात्मक पहल की गई है; और

(ख) जैविक वस्त्रों और प्राकृतिक रूप से रंगीन परिधानों के निर्माण हेतु उपयोग में आने वाले पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर क्या संयुक्त प्रयास किए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): सरकार ने ऑर्गेनिक वस्त्रों और प्राकृतिक रूप से रंगीन अपैरल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलें की हैं जैसे:

i. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार अपने दो घटकों अर्थात् 'मेगा क्लस्टर विकास कार्यक्रम' और 'आवश्यकता आधारित विशेष आधारभूत परियोजनाओं' के माध्यम से राज्य सरकारों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्राकृतिक/वनस्पति रंगों को बढ़ावा देने और डाइ हाऊस की स्थापना करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है।

ii. वस्त्र मंत्रालय ने अनुसंधान एवं विकास योजना के अंतर्गत प्राकृतिक रंगों से संबंधित 3 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

iii. वस्त्र मंत्रालय ने शून्य दोष और पर्यावरण पर शून्य प्रभाव वाले उच्च गुणवत्ता वाले हथकरघा उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए इंडिया हैंडलूम ब्रांड (आईएचबी) पहल शुरू की है। आईएचबी के तहत, वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय, वस्त्र समिति, प्राकृतिक रंगों का उपयोग करने वाले उत्पादों का पंजीकरण करती है और उनके विपणन में मदद करती है।

iv. मंत्रालय द्वारा संचालित कृषि मूल्य श्रृंखला में स्थिरता और मूल्य संवर्धन पर एक परियोजना भारत में ऑर्गेनिक कपास की आपूर्ति बढ़ाने पर केंद्रित है और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के साथ बाजार संपर्क को भी सुगम बनाती है।

v. आईसीएआर-सीआईसीआर ने कई सहयोगात्मक पहलें की हैं, जैसे कि ऑर्गेनिक कपास उत्पादन के लिए पद्धतियों का विकास, व्यावसायिक खेती के लिए प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास की बीज किस्मों को जारी करना तथा ऑर्गेनिक-प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास के उत्पादन को बढ़ाना।

vi. भारत टेक्स 2025 में, जागरूकता बढ़ाने और उनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक डाइ के साथ-साथ मिल्कवीड, कपास आदि सहित ऑर्गेनिक फाइबरों का प्रदर्शन किया गया।

****